कठिनाइयों में संभावनाएँ

महत्वाकांक्षी के लिए एक सच्चा प्रेरक गाइड

Saju Mathew

कठिनाइयों में संभावनाएँ

महत्वाकांक्षी के लिए एक सच्चा प्रेरक
गाइड
Saju Mathew

Saju Mathew

कठिनाइयों में संभावनाएँ

महत्वाकांक्षी के लिए एक सच्चा प्रेरक गाइड

सजु मैथ्यू

निष्ठा

मैं यह किताब अपने परिवार, शिक्षक और कर्मचारी वर्ग को समर्पित करता हूँ | मेरे दिवंगत पिता के. टी. मैथ्यू, माता सोसममा मैथ्यू, प्यारी पत्नी जैजो सजु, अद्भुत बेटे अमल सजु और अमलिन सजु, मेरे प्यारे शिक्षक वेलायुधन महाशय, संपादक एलिजाबेथ जिजो और डिजाइनर लिंडा जॉनसन, जिनके प्रोत्साहनभरे शब्दों से मुझे इस किताब को सफलतापूर्वक पूरा करने में मदद मिली, इन सबका मैं विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ |

मैं इस पुस्तक को अपने अन्य कर्मचारी वर्ग को भी समर्पित करता हूँ, जिन्होंने मुझे पूरी प्रक्रिया में समर्थन किया | मैं हमेशा उनके कार्यों की सराहना करूँगा, विशेष रूप से शिवदास पी.एम. का (उपाध्यक्ष क्लॉवर्स ग्रुप) जिसने मुझे अपने शोध कौशल को विकसित करने में सहायता की; आशिष, सिनी, अशवती, बिबिन, धन्या, सुधा, निवाथिथा, आशी, शारुख और सशिकाला की सराहना करूँगा, खास तौर पर उनके नैतिक समर्थन के लिए |

सुश्री रेखा शिवादास को एक विशेष धन्यवाद |
आप सब मेरे सर्वोत्तम प्रशंशक रहे हैं |

- सजु मैथ्यू

अंतर्वस्तु

1. सफलता का त्रिकोण
2. विश्वास
3. क्रिया
4. असफलता का डर
5. जिम्मेदार बनिए - एक अंतर बनाइए
6. सफलता के नौ मूल मंत्र
7. कौशल नहीं जुनून मायने रखता है
8. सकारात्मक सोच और मुमकिन सोच
9. नौ प्रमुख गलतियाँ
10. रवैया
11. कृतज्ञता का रवैया

1. सफलता का त्रिकोण

प्रस्तुत पुस्तक में आपकी रुचि खासतौर पर यही दिखाती है कि
***आप महत्वाकांक्षी हैं*| ..... *आपको बहुत – बहुत शुभकामनाएँ*|**

यह,

तीन और बातों का भी खुलासा करते हैं -

आप महत्वाकांक्षी हैं, दूसरों की सफलता आपको आकर्षित करती हैं

तथा

***आप अपने जीवन में बदलाव लाने की आशा करते हैं*|**

मुझे इस बात पर कोई शंका नहीं है, कि आप अपने सपनोँ से अधिक दूर नहीं है क्योंकि इस पुस्तक का चयन करने की आपकी रुचि ही यह दिखलाती है कि आप अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ चुके हैं और परिवर्तन आपकी जड़ों में समा चुका है |

हमें सर्वश्रेष्ठ ईश्वर को धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने हमें सहज ज्ञान तथा अंतर्दृष्टि दी जिससे हम बदलाव ला सकें क्योंकि हमारे आस – पास ऐसे कई लोग हैं जिन्हें अब तक यह एहसास नहीं हुआ है |

हर नेतृत्वशाली तथा प्रेरणादायक प्रशिक्षण कार्यक्रम में, मैं प्रतिभागियों से दो ही प्रश्न पूछता हूँ – कि क्या उनके पास अपनी निजी तथा आधिकारिक जीवन को सुधारने का कोई रामबाण है तथा वे अपने देश की प्रगति में किस प्रकार अपना समर्थन दे सकते हैं ?

अधिकांश स्वयं – सहायक सेमिनार प्रतिभागियों के पास समान्यतर एक ही प्रवृति का उत्तर होता है जैसे निष्ठा, प्रतिबद्धता, ईमानदारी, नवोन्मेष आदि | उत्तम जवाब, जिन्हें मैं भी अस्वीकार नहीं करता हूँ | किंतु मैं आपको यह बता दूँ कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अथवा अपने देश की प्रगति के लिए, आपके पास तीन तत्व होने चाहिए – सपना (ड्रीम्स), भरोसा (बीलीफ्स) तथा कार्य (एक्शन) करने की इच्छा क्योंकि वे सफलता के तीन महत्वपूर्ण अवयव हैं |

बल्कि यह बताइए कि सफलता का क्या अर्थ है ? शब्दावली की बहुत – सी परिभाषाएँ हैं – जिसे सफलता कह सकते हैं | ऑक्सफ़ोर्ड शब्दकोष के अनुसार, सफलता का अर्थ है – लक्ष्य अथवा प्रयोजन की उपलब्धि |

सफल व्यक्ति अन्य व्यक्तियों से भिन्न क्यों लगते हैं ? कारण और कुछ भी नहीं किंतु उन्हीं के सपने (ड्रीम्स), भरोसे (बीलीफ्स) तथा कार्य (एक्शन) हैं |

हर कार्यशाला के दौरान, मैं अपने प्रतिभागियों को अपने सपनों की सूचि बनाने के लिए कहता हूँ | ज्यादातर मुझे कार्यपुस्तिका सम्पूर्ण खाली दिखती है या कुछ ही पंक्तियाँ लिखी हुई होती हैं |

अधिकांश लोग अपने जीवन के महत्व से अनजान रहते हैं | अधिकतर लोगों के लिए सपने केवल नींद में दिखते हैं जिनका कोई ख़ास कारण नहीं होता है | किंतु सफलता साधक के लिए यह सब अलग ही होता है |

उनके लिए सपना ऐसी चीज़ है, जो उन्हें तब तक सोने नहीं देती जब तक कि वह पूरा नहीं हो जाए |

मैं यह ज़रूर कहूँगा कि सपनों का प्रभाव अत्यंत बड़ा होता है | यह बहुत ही रोमांचक बात है गौर करने की कि आज बहुमत जो आराम और सुविधा का लाभ उठा रहे हैं, वे वस्तुएँ किसी एक व्यक्ति या समूह का सपना ही है |

विमान अथवा दूरसंचार उद्योग के मामलों पर विचार करना चाहिए | एक नियमित यात्री होने के कारण, दुबई अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा मुझे हमेशा आकर्षित करता है क्योंकि यहाँ विविधता, ऑपरेशन के आयतन, मेलजोल तथा अन्य सुविधाएँ हैं | इन सबसे हमेशा गंतव्य को भड़काने का विचार सामने आता है |

दुबई अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा प्रतिदिन दो हज़ार से ज्यादा विमान तथा दो लाख यात्रियों को संभालती है | औसत तौर पर, हर मिनट में एक विमान उड़ान – भूमि पर उतरता है अथवा उड़ान भरता है जबकि उसी वक्त दूसरी तरफ़ १४० यात्रियों के आप्रवासन की प्रतिक्रिया वहाँ होती है | इसके अलावा, वे दुनियाभर के अन्य कई हवाई अड्डों से भी जुड़े हुए हैं |

अब, इस पुस्तक को पढ़ते हुए ज़रा कल्पना कीजिए कि अभी न जाने कितने ही विमानों की आवाजाही ज़मीन पर तथा आसमान में हो रही होंगी, कितने ही लोगों की आवाजाही हो रही होंगी, जुड़े हुए संचालन तथा दुबई हवाई अड्डे एवं अन्य जुड़े हवाई अड्डों के व्यावसायिक विकास हो रहे होंगे | इसके अलावा, एक ही समय में कल्पना करें कि .....

...कितने देश अपने अंतरिक्ष मिशन की योजना बना रहे होंगे ?